

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, बोकारो का न्यायालय ।

अनुसूची-14-फारम सं0-502

आदेश पत्रक

(देखे अभिलेख हस्तक, 1941 का नियम 129)

आदेश पत्रक सं0.05/01/16 से तक

जिला, बोकारो, संख्या 09/16 सन 2016 (MRFESA ACT)

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

क्रम सं0 एवं तारीख	आदेश पर की गई कार्रवाई पर टिप्पणी सहित।
05/01/16	19/01/16
12/01/16	14/06/16
	27/07/16
	19/07/16
	09/08/16
	06/09/16
	20/09/16
	14/10/16
प्राधिकृत पदाधिकारी <u>United Bank of India</u> <u>B.S. City Ind. Estate Branch, Balidih</u> <u>Bokaro</u>	
द्वारा धारा 14 (1 and 2) OF THE SECURITION AND RECONSTRUCTION OF FINANCIAL ASSESTS AND ENFORCEMENT OF SECURITY INTEREST ACT 2002 के तहत निम्नांकित विवरणी मे अंजित सम्पति/भूमि पर दखल कब्जा प्राप्त करने के संबंध में आदेश पारित करने हेतु आवेदन पत्र विपक्षी के विरुद्ध दायर किया गया।	
सम्पति/भूमि का विवरण	
मौजा <u>मवालीपुर</u> थाना नं0 <u>52</u>	
खाता नं0 <u>13</u> प्लॉट नं0 <u>873/13</u> रकबा <u>10.25 बीघा</u> चौहदी <u>16.04</u>	
	<u>29/03/2016</u>
अभिलेख उपायुक्त, बोकारो के आदेशार्थ उनके समक्ष न्यायालय में उपस्थित है।	
23/02/16	32/02/16
Issue Notice.	24/02/16
Put up on 08/04/16	Notice.

08/04/16

है। ओर अधिन्यास से अधिकार प्राप्त करने के लिए
 जीवनीय पक्षों के बीच में वार्डन है।
 To 10/05/16

10/05/16

है। प्रथम पक्ष (बैंक) की ओर से इजिप्सी दी गई
 - Notice to 2nd party
 - 14/6/16 - Put up.

प्रार्थी पक्ष

110/0200
110/0200

14/06/16

Ray
 प्रथम पक्ष (बैंक) अनुपस्थित है। द्वितीय
 पक्ष की ओर से वकालतनामा के साथ इजिप्सी
 एवं समान आवेदन दायर किया गया है।
 जीवनीय पक्षों के बीच में वार्डन है।
 To 12/07/16

प्रार्थी पक्ष

12/07/16

उपस्थित अनुपस्थित है।
 जीवनीय पक्षों के बीच में वार्डन है।
 To 19/07/16

19/07/16

उपस्थित पक्ष की ओर से इजिप्सी दी गई है।
 द्वितीय पक्ष की ओर से Objection दायर
 किया गया है।
 जीवनीय पक्षों के बीच में वार्डन है।
 To 09/08/16

प्रार्थी पक्ष

09/08/16

उम्मीद पर की ओर से इजिप्ती की गरी है।

प्रीतानी पदक अन्त काल के उत्तर है।

T 06/09/16

06/09/16

उम्मीद पर की ओर से इजिप्ती की गरी है।

Put up on 06/09/16

30/09/16

उम्मीद पर की ओर से इजिप्ती की गरी है।

प्रीतानी पदक अन्त काल के उत्तर है।

T 14/10/16

14/10/16

प्रथम पर अन्तर्गत। द्वितीय पर की ओर से इजिप्ती की गरी है।

प्रीतानी पदक अन्त काल के उत्तर है।

T 11/11/16

11/11/16

प्रथम पर अन्तर्गत। द्वितीय पर की ओर से इजिप्ती की गरी है।

प्रीतानी पदक अन्त काल के उत्तर है।

T 16/12/16

16/12/16

उम्मीद पर की ओर से इजिप्ती की गरी है।

प्रीतानी पदक अन्त काल के उत्तर है।

T 13/01/17

13/01/17

प्रथम पर अन्तर्गत। द्वितीय पर की ओर से इजिप्ती की गरी है।

प्रीतानी पदक अन्त काल के उत्तर है।

T 14/02/17

प्रथम पर अन्तर्गत। द्वितीय पर की ओर से इजिप्ती की गरी है।

प्रीतानी पदक अन्त काल के उत्तर है।

४/०५/१७

आवेदक अनुपस्थित। डिग्री पर ही वकालत दर्ज।
जीवनीन पदो अन्न कार्य के अन्तर्गत
नं. ०७/०३/१७

०७/०३/१७

आवेदक अनुपस्थित। डिग्री पर ही वकालत दर्ज।
जीवनीन पदो अन्न कार्य के अन्तर्गत
नं. २४/०३/१७

२४/०३/१७

आवेदक अनुपस्थित। डिग्री पर ही वकालत दर्ज।
जीवनीन पदो अन्न कार्य के अन्तर्गत
नं. ०५/०५/१७

०५/०५/१७

प्रथम पर अनुपस्थित। डिग्री पर ही वकालत दर्ज।
जीवनीन पदो अन्न कार्य के अन्तर्गत।
नं. ०९/०६/१७

०९/०६/१७

प्रथम पर अनुपस्थित। डिग्री पर ही वकालत दर्ज।
जीवनीन पदो अन्न कार्य के अन्तर्गत।
नं. २७/०६/१७

२७/०६/१७

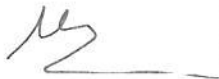
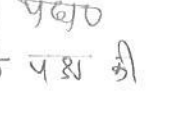
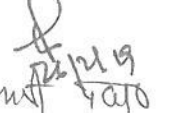
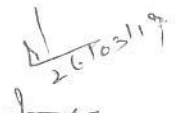
प्रथम पर अनुपस्थित। डिग्री पर ही वकालत दर्ज।
जीवनीन पदो अन्न कार्य के अन्तर्गत।
नं. ०५/०७/१७

प्रथम पदो

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
04/07/17	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालत राजिरी है। पीठाधीन पक्षों अन्तर्गत कार्य में व्यस्त। To 18/07/17	
18/07/17	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालत राजिरी है। पीठाधीन पक्षों अन्तर्गत कार्य में व्यस्त। To 11/08/17	
11/08/17	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालत राजिरी है। पीठाधीन पक्षों अन्तर्गत कार्य में व्यस्त। To 15/09/17	
15/09/17	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालत राजिरी है। पीठाधीन पक्षों अन्तर्गत कार्य में व्यस्त। To 13/10/17	
13/10/17	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालत राजिरी है। पीठाधीन पक्षों अन्तर्गत कार्य में व्यस्त। To 21/11/17	
21/11/17	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालत राजिरी है। पीठाधीन पक्षों अन्तर्गत कार्य में व्यस्त। To 15/12/17	

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
15/1/18	प्रथम पक्ष अनुपस्थित द्वितीय पक्ष की तक्रालतन हाजिरी है। Absent on call. Put up on 09/01/18	
09/01/18	प्रथम पक्ष अनुपस्थित द्वितीय पक्ष की तक्रालतन हाजिरी है। प्रथम पक्ष श.म. काले में 09/01/18 To 09/02/18	
09/02/18	प्रथम पक्ष अनुपस्थित द्वितीय पक्ष की तक्रालतन हाजिरी है। प्रथम पक्ष श.म. काले में 09/02/18 To 09/03/18	
09/03/18	प्रथम पक्ष अनुपस्थित द्वितीय पक्ष की तक्रालतन हाजिरी है। प्रथम पक्ष श.म. काले में 09/03/18 To 10/04/18.	
10/04/18	प्रथम पक्ष अनुपस्थित द्वितीय पक्ष की तक्रालतन हाजिरी है। Notice to 1st party. D.P. was asked for time. Put up on 22.05.18	104/2210 11/05/18 Notu

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
22/05/18	डिमीट पक्ष की वकालतन अजिरी है। प्रथम पक्ष अनुपस्थित। उक्त प्रथम पक्ष की अजिरी है। प्रीतिमान पक्षों के बीच कोई झगडा नहीं है। To 03/07/18 <i>[Signature]</i> प्रथम पक्ष	
03/07/18	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। डिमीट पक्ष की ओर से list of documents and information petition दाखिल किया गया है। प्रीतिमान पक्षों के बीच कोई झगडा नहीं है। To 14/08/18 <i>[Signature]</i> प्रथम पक्ष	
14/09/18	प्रथम पक्ष (बी) अनुपस्थित। डिमीट पक्ष की वकालतन अजिरी है। Put up on 25.09.18 <i>[Signature]</i> प्रथम पक्ष	
25/09/18	विपक्षी की वकालतन अजिरी है। प्रथम पक्ष (बी) की ओर से प्रामाणिक पक्षों की अजिरी है। Lead both parties. First party is directed to issue letter to D.P. and submit a copy to court. Put up on 30.10.18 <i>[Signature]</i>	
30/10/18	विपक्षी की वकालतन अजिरी है। प्रथम पक्ष की ओर से मुकदमा संबंधी अजिरी है। D.P. is absent on cell. Later appeared. compromise proposal is sent for approval as stated	

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
	by first party, 1st up on 07/12/18 	
07/12/18	उभय पक्ष की सहजिरी है। जीवासीन पक्ष0 अन्य कार्य में व्यस्त। To 21/12/18 	
21/12/18	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालतन सहजिरी है। जीवासीन पक्ष0 अन्य कार्य में व्यस्त। To 25/01/19 	
25/01/19	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालतन सहजिरी है। जीवासीन पक्ष0 अन्य कार्य में व्यस्त। To 26/02/19 	
26/02/19	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालतन सहजिरी है। जीवासीन पक्ष0 अन्य कार्य में व्यस्त है। To 26/03/19 	
26/03/19	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालतन सहजिरी है। जीवासीन पक्ष0 अन्य कार्य में व्यस्त। To 23/04/19 	
	प्रथम पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की वकालतन सहजिरी है। जीवासीन पक्ष0 अन्य कार्य में व्यस्त। To 26/03/19 	

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
23/06/19	जीहासीन पढाव-मुनाब सार्ने में लगातार है। To 11/06/19 <i>[Signature]</i> प्रमुख पढाव	
11/06/19	उभय पक्ष अनुपस्थित। पुनः द्वितीय पक्ष की ओर से information position कोविल किया गया है। इन्हें आदेश पर प्रत्येक पक्ष अपना जवाब सारिल- में। उल्लिखित 5.7.15 को रखें। <i>[Signature]</i> 11.6.15	93/2340 to C.M. 12/06/19 UBI, Ind. Est. Br. Balaish
05/07/19	पक्ष प्रमुख से प्रतिवेदन/जवाब संप्राप्त है। द्वितीय पक्ष की बमालन अजिरी है। पुनः 2-र बेंक के उपनिवि-उपस्थित। put up on 26.7.15 <i>[Signature]</i> 5.7.15	
26/07/19	द्वितीय पक्ष की बमालन अजिरी है। एवं सूची में अनुसार कोविल कोविल किया गया है। प्रमुख पक्ष (बैंक) की ओर से आदेश पढाव की अजिरी है। put up on 20.8.15 <i>[Signature]</i> 20.8.15	
20/08/19	उभय पक्ष की ओर से अजिरी की गई है। जीहासीन पढाव-अन्य सार्ने में लगातार है। To 17/09/19 <i>[Signature]</i> प्रमुख पढाव	

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
17/09/19 18/09/19	सार्वजनिक अवकाश रहने के कारण न्यायालय कार्य नहीं है समाप्त To 15/10/19 प्रमुख पदाधिकारी	
15/10/19	प्रथम पक्ष (बैंक) अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष में तत्कालीन शर्जिनी है। जीलानी पक्ष अन्त कार्य में समाप्त To 08/11/19 प्रमुख पदाधिकारी	
08/11/19	प्रथम पक्ष (बैंक) अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की तत्कालीन शर्जिनी है। जीलानी पक्ष अन्त कार्य में समाप्त है। To 03/12/19 प्रमुख पदाधिकारी	
03/12/19	जीलानी पक्ष के मुताबिक कार्य में समाप्त के कारण न्यायालय कार्य नहीं है समाप्त To 07/01/2020 प्रमुख पदाधिकारी	
07/01/2020	विपक्षी की ओर से शर्जिनी दी गयी है। प्रथम पक्ष (बैंक) अनुपस्थित। जीलानी पक्ष अन्त कार्य में समाप्त है। To 31/01/2020 प्रमुख पदाधिकारी	
31/01/2020	प्रथम पक्ष (बैंक) अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की ओर से शर्जिनी के अनुसार कागजात दाखिल किया गया है। जीलानी पक्ष अन्त कार्य में समाप्त है। To 25/02/2020 प्रमुख पदाधिकारी	

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
25/02/2020	प्रथम पक्ष (बैंक) अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की तत्कालीन जानकारी है। जहाँ तक पक्षों अन्य मामले में जाना है त० 17/03/2020	
17/03/2020	प्रथम पक्ष (बैंक) अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की तत्कालीन जानकारी है। प्रत्येक के अनुपस्थितता का कारण दिया गया है। जहाँ तक पक्षों अन्य मामले में जाना है त० 21/04/2020	
21/04/2020	कोरोना वाइरस के संक्रमण को रोकने के लिए किये गए Lockdown के कारण न्यायालय काम नहीं है। समाप्त त० 29/05/2020	
29/05/2020	कोरोना वाइरस के संक्रमण को रोकने के लिए किये गए Lockdown के कारण न्यायालय काम नहीं है। समाप्त त० 17/07/2020	
17/07/2020	उभय पक्ष अनुपस्थित। जहाँ तक पक्षों अन्य मामले में जाना है त० 11/08/2020	
11/08/2020	उभय पक्ष अनुपस्थित। जहाँ तक पक्षों अन्य मामले में जाना है त० 08/09/2020	

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
08/09/2020	उच्च पक्ष अनुपस्थित। जीएसएन पक्ष० अन्तः कार्रवाई में जमात है। To 11/09/2020	
11/09/2020	प्रभाषी पक्ष० प्रचन पक्ष (बैंक) की ओर से प्रबंधक के झापा वाद को स्थगित रखने हेतु एक आदेश दिया गया है। द्वितीय पक्ष अनुपस्थित। जीएसएन पक्ष० अन्तः कार्रवाई में जमात है। To 06/10/2020	
06/10/2020	उच्च पक्ष अनुपस्थित। पुनः प्रचन पक्ष (बैंक) की ओर से प्रबंधक पक्ष० की शर्तों पर दिनांक 13/11/2020	
03/11/2020	प्रचन पक्ष (बैंक) अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष की ओर से petition to drop the proceeding दखल किया गया है। जीएसएन पक्ष० अन्तः कार्रवाई में जमात है। To 15/11/2020	
15/11/2020	अभिलेख उपस्थापित। पिदली निधि को द्वितीय पक्ष के द्वारा No dues Certificate दखल किया गया है। जिससे अवलोकन से ज्ञात होता है कि प्रचन पक्ष प्रकरण स्वतंत्र रूप से दायर किया गया है। प्रचन पक्ष बैंक की ओर से आदेश प्रबंधक द्वारा उस वाद की पुष्टि नहीं की जाती है। अतः उच्च के आदेश के बाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है। लेखापत्र एवं संशोधित।	